अमेरिका में 7,500 एक्सिडेंट्स हुए हैं। यह 2010 की तुलना में 77 प्रतिशत की वृद्धि है। भारत में भी यह वृद्धि लगातार हो रही है।

इस संदर्भ में मैं इन दो फ्लाईओवर्स की मांग करते हुए सामान्य संदर्भ में कहता हूं कि जहां भी सड़क का चौड़ीकरण, विस्तारीकरण हो, वहां स्थानीयता को सुरक्षित रखा जाए, यानी स्थानीय लोग पैदल यात्रा करते हैं, कन्वेंशनल तरीकों से चलते हैं, बैलगाड़ी, टमटम या घोड़ा गाड़ी आदि से चलते हैं, तो उनके अधिकारों की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। चूंकि नेशनल हाईवे बड़े-बड़े शहरों को जोड़ता है, तो इसमें स्थानीय लोगों को असुरक्षित महसूस नहीं होना चाहिए। मैं इस संदर्भ में सरकार से मांग करता हूं कि बेगूसराय एनएच 31 पर फ्लाईओवर को खातोपुर तक ले जाया जाए और दूसरा फ्लाईओवर बेगूसराय के ही बलिया में पावर हाउस से लेकर जानीपुर तक बनाया जाए। बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour matter raised by the hon. Member, Shri Rakesh Sinha: Dr. Amar Patnaik (Odisha), Shri Sandosh Kumar P. (Kerala), Dr. Santanu Sen (West Bengal), Prof. Manoj Kumar Jha (Bihar), and Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu).

Demand to start Medical Coach facility for serious patients in Trains

DR. PRASHANTA NANDA (Odisha): Mr. Deputy Chairman, Sir, through you, I would like to draw the kind attention of the Minister of Railways. I am talking about the trains that continuously run for more than 18 hours from one end to another end. इसके बारे में बोलने से पहले मैं यह बताना चाहता हूं कि मेरा पहला अनुभव है, while I was coming to Delhi by Rajdhani Express, जब कानपुर पास हो गया then there is only one stoppage, which is at Delhi. उस समय यह हुआ कि एक 38 साल के व्यक्ति को तभी स्ट्रोक आया, we could find out a doctor from there but he could not help. उसने बोला कि अगर ऑक्सीज़न का एक सिलेंडर होता, तो मैं इसे जिंदा रखता। आपको यह सुनकर खराब लगा होगा, मुझे भी बहुत खराब लगा था कि उस 38 साल के व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। महोदय, सिर्फ यही एक कहानी नहीं है, ऐसी बहुत सारी कहानियाँ हैं, ऐसी बहुत सारी न्यूज़ भी आ रही हैं। महोदय, मैं इसको ध्यान में रखते हुए एक और बात कहना चाह रहा हूं कि कोरोना के बाद, almost all the children are prone to deficiency of oxygen. जब ट्रेन में जा रहे हैं, तो उनके माँ-बाप भी जानते हैं कि इसको नेबुलाइज़र की जरूरत है, वे नेबुलाइज़र लेकर भी आते हैं, लेकिन वहाँ नेबुलाइज़र काम नहीं करता है, क्योंकि बोगी में जो 110 डीसी करंट है, उससे नेबुलाइज़र काम नहीं करता है। उसके बाद यह भी होता है - यह ज्यादातर कोरोना के बाद से हो रहा है कि शरीर में immediately sodium deficiency हो जाती है और उसे एक saline की जरूरत पड़ती है, जिससे वह जिंदा रह सके, लेकिन उस सेलाइन के आने से पहले ही दम घुट जाता है। So, through you, I would like to draw the kind attention of the hon. Railway Minister, who

is also very much concerned about the passengers, to this aspect. He will, definitely, take note of this and do something. All these trains which are running for more than 18 hours should have a special coach/ medical van where there should be at least two ICUs, one ventilator, oxygen cylinder and other things along with doctors and nurses. I think this will be accepted by all my learned colleagues. It is very, very necessary and it is high time for us to think about it. I hope the way the Railway Minister is working, he would, definitely, take note of this particular request of mine. Thank you very much, Sir.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Member associated themselves with the Zero Hour mention raised by the hon. Member: Shri M. Shanmugam (Tamil Nadu), Shrimati Priyanka Chaturvedi (Maharashtra), Shri Jose K. Mani (Kerala), Shri Sandosh Kumar P. (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Shri Kanakamedala Ravindra Kumar (Andhra Pradesh), Shrimati Mausam Noor (West Bengal), Dr. Anil Sukhdeorao Bonde (Maharashtra), Shri Sukhendu Sekhar Ray (West Bengal), Shri Sujeet Kumar (Odisha), Shri Kamakhya Prasad Tasa (Assam), Shri Mohammed Nadimul Haque (West Bengal), Dr. Amar Patnaik (Odisha), Dr. Santanu Sen (West Bengal), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Sanjeev Arora (Punjab), Shrimati Vandana Chavan (Maharashtra), Shri Abir Ranjan Biswas (West Bengal), Shri Rajmani Patel (Madhya Pradesh), Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba (Manipur) and Shri Jawhar Sircar (West Bengal), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu).

जो माननीय सदस्य एसोसिएट करना चाहते हैं, they may send their names. Now, Shrimati Ranjeet Ranjan – Concern over negative impact of cinema on our youth.

Concern over negative impact of Cinema on our youth

श्रीमती रंजीत रंजन (छत्तीसगढ़) : उपसभापति जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं आपके माध्यम से यह बताना चाहती हूं कि सिनेमा समाज का आईना होता है। हम लोग सिनेमा देखकर बड़े हुए हैं और सिनेमा, पिक्चर्स हमारी लाइफ में, खासकर युवाओं की लाइफ में बहुत influence रखती हैं। आजकल कुछ इस तरह की पिक्चर्स आ रही हैं कि अगर आप कबीर से शुरू करें, पुष्पा से शुरू करें और अभी एक एनिमल पिक्चर भी चल रही है, तो मैं आपसे कह नहीं पाऊंगी कि मेरी बेटी के साथ बहुत सारी बच्चियाँ थीं, जो कॉलेज के सेकंड ईयर में पढ़ती हैं, वे आधी पिक्चर में ही उठकर रोती हुई चली गईं कि इतनी हिंसा है। महिलाओं के साथ हो रही disrespect को पिक्चरों के द्वारा justify करने पर मुझे लगता है कि कबीर पिक्चर में वह जिस तरह से अपनी वाइफ को ट्रीट करता है, इस मूवी में जिस तरह से अपनी वाइफ को ट्रीट करता है और लोग, समाज एवं